दिव्य हिमाचल (पृष्ठ 4) दिनांक 05/09/17

सावड़ा कुड्डू की सुरंग का काम पूरा

शिमला में पब्बर नदी पर तैयार हो रही परियोजना का अहम पड़ाव पूरा

वरिष्ठ संवाददाता, शिमला

शिमला जिला में पब्बर नदी बेसिन पर तैयार हो रही सावड़ा कुड्डू परियोजना में सुरंग की खुदाई का काम पूरा हो गया है। सोमवार को हिमाचल पावर कारपोरेशन ने यह पड़ाव पार कर लिया, जो कि महत्त्वपूर्ण रहता है। परियोजना 111 मेगावाट की है, जिसमें बांध स्थल से विद्युत गृह तक पानी पहुंचाने वाली 11.365 किलोमीटर लंबी भूमिगत मुख्य धारा सुरंग एचआरटी का खनन कार्य पूरा हुआ है। पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक, देवेश कुमार ने अजय कुमार गुप्ता, निदेशक सिविल, डीएस ठाकुर, महाप्रबंधक, सावड़ा कुड्डू जल विद्युत परियोजना व अन्य अभियंताओं एवं निर्माण कंपनी हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में अंतिम ब्लास्ट के लिए बटन दबाया। इस परियोजना के भूमिगत सुरंग का कार्य अबान कोस्टल ज्वाइंट वेंचर को जून, 2009 में सौंपा गया था, परंतु कंपनी के निराशाजनक कार्य को देखते हुए इस कंपनी के साथ जनवरी 2014 में करार समाप्त कर दिया गया था। शेष बचे भूमिगत सुरंग के निर्माण कार्य का करार नवंबर, 2014 में हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी एचसीसी के साथ किया गया। भूमिगत सुरंग के निर्माण में मुख्य अवरोध शेष बची 1643 मीटर सुरंग निर्माण का कार्य था। प्रतिकूल भू-वैज्ञानिक स्थिति होने के बावजूद सुरंग निर्माण में अंतिम दो हिस्सों को जोड़कर सोमवार को सुरंग के दोनों सिरों को आपस में मिलाकर प्रकाशित कर दिया गया। इस सुरंग में कंकरीटिंग का कार्य जारी है। इस परियोजना से 386 मिलियन यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत उत्पादन होगा। परियोजना में 11.365 किलोमीटर लंबी, पांच मीटर व्यास की भूमिगत सुरंग और 37 मेगावाट की तीन फ्रांसिस टरबाइन लगाई गई हैं। पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक देवेश कुमार ने कहा कि इस परियोजना की भूमिगत सुरंग के दोनों हिस्सों को जोड़कर निगम ने एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। यह परियोजना विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जनवरी, 2019 में विद्युत उत्पादन प्रारंभ कर देगी।

दैनिक न्याय सेतु (पृष्ठ 3)

पावर कॉर्पोरेशन ने सवा ग्यारह किमी लंबी सुरंग बनाने का कार्य किया पूरा

जल विद्युत परियोजना में महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल

■ डीएनएस न्यूज. शिमला

हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन द्वारा शिमला जिले में पब्बर नदी पर बनाई जा रही 111 मेगावाट में सावड़ा जल विद्युत परियोजना ने बांध स्थल से विद्युत गृह तक पानी पहुंचाने वाली 11.365 किलोमीटर लंबी भूमिगत मुख्य धारा सुरंग का खनन कार्य पूर्ण कर एक महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त किया है। प्रबंध निदेशक, देवेश कुमार ने अजय कुमार गुप्ता, निदेशक सिविल डी.एस. ठाकुर, महाप्रबंधक, सावड़ा कुडड्डू जल विद्युत परियोजना व अन्य अभियंताओं एवं निर्माण कंपनी हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी के पंदाधिकारियों की उपस्थिति में अंतिम बलास्ट के लिए बटन दबाया। इस परियोजना के भूमिगत सुरंग का कार्य अबान कोस्टल जॉइंट वेंचर को जून 2009 में सौंपा गया था। परंतु कंपनी के निराशाजनक कार्य को देखते हुए इस कंपनी के साथ जनवरी 2014 में करार समाप्त कर दिया गया। भूमिगत सुरंग के निर्माण कार्य का करार नवंबर 2014 में हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ किया गया।

भूमिगत सुरंग के निर्माण में मुख्य अवरोध बची 1643 मीटर सुरंग निर्माण का कार्य था। प्रतिकूल भूवैज्ञानिक स्थिति होने के बावजूद सुरंग निर्माण में अतिंम दो हिस्सों को जोड़कर आज सुरंग के दोनों सिरों को आपस में मिलाकर प्रकाशित कर दिया गया। इस सुरंग में कंकरीटिंग का कार्य जारी है। इस परियोजना से 386 मिलियन यूनिट प्रति विद्युत उत्पादन होगा। परियोजना में 11.365 किलोमीटर लंबी, 5 मीटर व्यास की भूमिगत सुरंग और 37 मेगावाट की 3 फ्रांसिस टरबाइनस लगाई गई हैं। देवेश कुमार ने कहा कि इस परियोजना की भूमिगत सुरंग के दोनों हिस्सों को जोड़कर निगम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। यह परियोजना सभी विपरित परिस्थियों के बावजूद जनवरी 2019 में विद्युत उत्पादन प्रारंभ कर देगी।